२०। म्रीटमी,रेसर.मु.च.ब.सु.चमीर.मी.मी.सी.रवश.मीटश.मूप।

র্মিব:ধ্রুদা।

No. 1.

स्रियानायान्याच्याचेरायदे स्रियादेना स्रियाचे स्रियचे स्रियाचे स्रियाचे स्रियचे स्र बुनार्टाम्रेर्ज्युनाः अर्टे क्वा। प्रिंटानार्वेशानाः याज्ञेराय्यान्यः लयाया विवादिनाविद्यायाया हिन्यायाया विवायायाय है। ब्रेट्टिस कुर्वित्र विनाय देश। देशसास्त्र या की स्वर्धित से विद्य स मार्केस गा त्या ने विद्यास्य त्या स्विमा सेन् या ध्येत्। मान्य स्य से विमायस सु लुर् बिश के विट्रा देवश १ र अश विट में बार । विट मारेश गारा पर ने विदार्योत्य सार्वेद पन्य से सेंस्य ने देसरा द्वारा सार्य हार हा पन्य हो हो सा निष्परार्थित के का निष्या । ने विष्या निष्या निष्या के ना के न भुक्षेत्रे भेर रहेमा रे क्या खारी प्या सर्व र से दि हे रह सा नह र न। महाया उ ल्याकेल्ट्रकेल्य्याता इत्याता वित्याता क्रांत्रा क्रांत्रक्रिं ८.२८.मी.बुट.क.टेब.सू.ज.कॅट.त.मा.हमा.हमा.स्वरत.स्वरी के पर्मा रश्रक्षायन्द्रायां भेत्राया देवश्राष्ट्रायं हेर्सा हिटायान्द्रिना ल्य-विदा सिर्ट्सिक्ष अ.क. हैय देलूट हर्याता लटाकर देखून है.

श्र्राकुं रु: दिना श्वेभः दें प्रित्स। दे: ह्वना नी श्रास्तुः न दर्ग से से स्थाया स्थार । ह्ये प्राय्यत्र अर् वित्र स्पर्य कृषाय। दे हित्या प्रायुष्य द्वेषा स्पर्य हे । येदा मिपार्वमा अभारता रे.वशाशाः क्टासशाः विटाइ खा खार्गाः स्टाई विना पिर वेश श्री है। हे देश मी से भारत है नहें नहें है। ये मिर्ड मी वेश मी वेश यर्दासाराश्रद। रेट्रीमार्ग्रेनावशाम्यवशामार्ग्रमात्वरारे स्राह्म। रेवश ल.त्.रच.ची.व.बुचावट.त.ज.जूचा.हे.लूट.हे.ल.च.ज.इरश.त। सं.क.च। ट.२८.मी.किट.तपु.य.२.५.ज.८श. चर्टरश.त। चि.ध्मी.वश.वश.चि.कुमी.पये. रे.लूटश्राय। स्राप्ते च्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते च्राप्ते प्राप्ते गार्शराष्ट्री हिरायदे तुः इति सं तास्यायना केवा केविना वर्षे हो। दे ताह्य व्यः यहमाञ्चे यहे विषयः मीन विमाञ्चर यदि देश र्राता पर्दरश। दे नशाम भ्रेमा नशाप तु अराये केने के र्यर्भ्यः असरे दुः स्ट्राय्यः विद्यान् स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः सुः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः सुः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः सुः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायः सुः स्ट्रायः स् बराश्रमाक्षरासामाराश्रीर। मिराहिदे बरार्चासान्तरासा विरादे मिन्नरा यः केषः केंग्लिमा यकेंग्हे। देवे षरः र् ना

No. 2.

टे.ज.लूट.के.ल.च.ज.इ४४.२। सि.ल.च्। ट.२८ची.चट.चट्र.४४१.१८.४१ प्रवासिनायामुराने प्रवासिना प्राप्ता वारा श्रीता हे प्रप्ता हे यह । दे वहा छा र्थे दराखाने मार्केश गाया क्रेंस गायिर छे बेस्था । मराहते बरातु थिर शिष्यमी वसार्या असराय द्वा। र हि यहें प्रिय बेर रे दे विवाद द्वाय। वना यर्वे श्रूट.य.र्टा प्र्ट.यर्वे अ.कृश.यर.त्य.त्र.त्य.त्र.त्रं त्रं वट. यदीमासुराने वहराय। वर्षः स्वामिस्यान्यः स्वामिश्याने सार्वे वर्षः युष्पाञ्चरायायाम्बरायानुः स्प्रिंद्य। साक्षायी यरायवीत्रदामीत्वानुनार्द्धरा सर्दर-दे.पये.क्ये.स्याद्यांत्र-दे.पर्या चुर्या चुर्या हे.येशक्ताः विचातर्यः शूट.है। लट.क.मू.चर्डे.ज.शूट.है.चि.स्रेश.टे.चर्डेश.त.शट। ५८.१ू.च. र्ये सु मु परे र्रे देना अ मुर रे पेर दंग। १ अ अ अ पर पर द व उरे । मू र पित्रमाराज्यराम् पित्राहरा मार्थरार ख्या ख्या वार्यरापा प्राप्त वि रें रे भीर तिर्देर वा पेर अवित विवा पेर रहेवा। रे वया अ रोश वा रे अरोजिया रायप्यायक्षे सुर लेका है। वटा दाला देखा है। व्याप्त हो क्षाया व्याप्त वी विष्य यदे बद्द स्युम् अद्र देश यदे से विमाद नुमा बेरस य। धारी दश्दरी प्ताखारी ८.२८.चार्रेश.या.जायकीशाविष.द्यया.रचा। मैजाजार्शूटा ८.२८. यास्यान्। विद्यान्त्रियायाः सम्विन्यायाः स्विद्यान्यायाः वर्षे यः भेरिः क्ष्मा देनस्य स्मामदादात्राहर दे हिंदा है। दे देन देन देन देन न हे. देग्रेश अर्कुचा प्राया देश विद्या पर्माश ।

लमाननुक्रिंद्रम्मात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्टात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्टात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्यात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्टात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्मात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्यात्रेष्टात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्यात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्रेष्ठात्रेष्र

भे भे भू निर्मा के प्राप्त के प्

न्मुश्रायद्रन्तु त्र द्रिया देव द्रिया विद्या के द्रिया क

No. 4.

श्रेश्वेद्वर्वर्ष्क्षेश्वेद्वर्ष्वाः इट्याह्य । अत्याह्येद्वर्ष्वः विद्याह्य । विद्याह्य विद्या विद्याह्य विद्य विद्याह्य विद्याह्य विद्य विद्य विद्याह्य विद्याह्य विद्य विद्य

णुःसःनासद्दरःखःक्रेत्वे।

प्रान्तसद्दरःखःक्रेत्वे।

प्रान्तसद्दरःखरक्षेत्वे।

प्रान्तसद्दर्भेद्वे।

No. 5.

स्र-उद्यायाप्याया विद्यासम्। दुश्यायायात्मा विश्व। में भें श्रेंच द्वेंब क्षे.र्वा.ज.बे.के.घी.पर्.केर.चरटशा दि से से स देश विषाय हेर् ५८। ह्में न'द्रों बे 'हे 'द्रम् राज्यान हिमा 'स्रमा स्रम'द्रा खार्का चना प्रचारशार्षित वटा व श्रीव से सि अमें रिम् विना तर्मा के । च्नाच ब्रम्स रेपि वट वटि येटस हिस चन्नामार हे तर्नाये। दे श्रेक से नश्चर र सुर दे से मान दृह से । देशमार्चित्रम् नश्चर्रात्रस्य राष्ट्रियाः यत्राये । देट महास्त्र भे ता ह्येंद सेंबा दे बुग (बुबा या। से से सायद दु सु पर दे सुर प्रदर्श। ब्रेट्र मुं मुरु त्र दि दिर्देश ता केर्ने द्रा र्देट मार्थकाक्षे यार्क्षेत्र क्षेत्रा ट्ये प्यन्मायामाक्षत् प्रा रे श्रेन ये रे हिर क्रेश यश्यर य रेमा र में श्रिस श्रुमा रे अर्वे र्नु रे हिर क्रिया अराय अराय के मार्ने अर्था। रेगुक्तसर्रेष्टिर्द्धियेग्याविक्यर्भेग्रिश ये भेना य विव ने क्षेत्र यम विमायनय निर्मेश। क्षे-'मी'अवीय'वश'नगिंद अर्केमा'यार्ड्सेन'यस'विमानेनिये। श्रीदार्धिते अमीं चलि चउर दे तथर द। ब्रीट समिर मी हैना स्वर में ख्रा केवा

श्वेर येदे अर्थे रबे पर्ट रे प्रयम् म्रीट अपिर हे निग्दे मु निविद्ध के ब ষ্ট্রবর্টির মর্ল্যালিওদানত্ত্বার্টির স্থানের [म्रीटासिक्र हे र्गुर्व शास्त्र ह्व हे श्वेव र्यते मृद्याय वर्ष दे तथा व म्रीटास्यानरा ही द्वादी सामानुदा द्वार केता श्रीन रेवि तमा या यहन ने तया न म्रीटमी शुम्बर्ट स्वरकेर। स्वार्भे नडरारे तयराव। म्रीट सियर मी म्याय कर स्वर के र ষ্ট্রবূর্টার্ট্র-স্ক্র-মানতলামান্টার্মনের। म्रीट शक्र मी में मान स्वाक्त श्वेव र्यदे वटाक सेट श्रे तयह व। দ্মীদেশদিশ দ্বী ধার্মশংশ বিদা শংশ্বর করে। म्ने निर्मे स्टे स्टर् मार्शर रिंदि मार्शर रे ख़्द के । क्रीदार्थी वरुदारी तथदा व न्गर र्यते न्द्रय रे स्व छे । मूरियामउरारे तथरा वा म्रास्याम् मार्याः द्वी स्वर केष्

मुनः देव से तिर्धात्व केव।

मुनः देव से तिर्धात केव।

No. 6.

प्रेंच-र्ग्य-प्रेंच-प्रांच-प्रमानिक्षान्त्र क्षेत्र क

स्त्रे सुर्व द्वेष प्रति प्रत्या केष प्रता । स्रोत्य द्वेष स्त्रे प्रत्य प्रत्य प्रत्य स्त्रे । स्त्रे सुर्व क्षा स्वरूप स्त्रे स्वरूप स्वरूप

र्रेट मुसुस्र से त्य स्वास्त्र से त्य समास्त्र रहा म्रि.ज.सह्साराष्ट्राभवतासाक्ष्मानाः वात्रीनानाञ्चनासायः । र्रेट्-मिश्चस्राक्षाक्ष्यः क्रिं क्रिं या यमा समा सम्द्रमा मिश्चम् सम्द्रा र्भे रये येट हे भें लेग रेंच भें। हैश्यन्ये यर्दे एक्टें हैश्य विमा क्षेत्र वे। न्तरः दः दर्गमामा वैदा दः दर्गमा मित्रमारा दर्ग विट. १८८ या. मा. हु. १८८ या मा हुना शर्टा रे.बिर्मालेश्वाराश्वर। भ्राभाश्वराम्येश्वराम्येशविर्मास्रीयरेटश। ब्रीट मी प्यायेंबाद टाटदे न्टेंबाय केंद्र न्ट। ष्यार्थे निमानीयात्राराहे निर्देशाया हेर्न नि <u> चित्रीः कं चें ता सद्दा सा देना दर् दा</u> र्देट-मासुस्रासे ता ह्यून संत्या यमा स विमाय है न। लिल.मी.सट.स्रेम्बर.प्रेमायशासमास्यास्य स.चर्च्यम् र.स्रिट.स्र

प्रावर के क्र. च्. खेचा प्रचेर. चक्षा मि. जा चट. रू. कुष्म. चर्ट च क्षेट मार्थ क्र. च्. खेचा पर्टेर. कुष्म। चर्ट च क्षेट मार्थ क्ष. जा क्ष. चर्ट च क्षेट मार्थ क्ष. जा क्ष. चर्ट च क्ष. चर्ट च क्ष. जा क्ष. चर्ट च क्ष. चर च क्ष. चर्ट च क्ष. चर च क्ष. च

स्यान्यन्त्रात्त्र्यं भ्रात्याय्ये । स्यान्य स्थान्य स्थान्य

No. 7.

न्त्रशन्त्रं क्रांत्रः क्रांत्र क्रांत्रः क्र

ने न्या के से स्वेत ने के निष्या मान्या भारत स्वाप के निष्या मान्या भारत स्वाप के निष्या के निष

स्याद्यं अपटा नुस्या स्वास्य स्वास्य

भ्राभ्राप्त स्थाप्त के मित्र के मित्र

श्रेश्वेद्द्राचेद्द्र्द्र्याचेद्द्र्याचे न्याः द्र्याः व्याः व्यः व्याः व्याः

रे'वर्शके के के का मिं ते हैं रहा हो रहा की एम के कंटा का ता हो रहा हो के कि के कि का ता हो रहा हो है के का ता हो रहा है के का ता है के का ता हो है के का ता हो है के का ता है का ता है के का ता है का ता है का ता है के का ता है का ता है के का ता है का ता है के का ता है का ता है के का ता है का ता है के का ता ह

न्नु: ५८: ङ्काट: र:५गार: दें: ॲर्ज, आमन विमान्नु: केना ने त्यायम्बर्गन्याय के यन्यान वे रि मिंद्र, शत्र्रा, पिंतर, श्रीमश्रु, धुना, श्री, कुन। रे'याम्बर्'अर्गे मुच्चर यन्नार्मेश। न्वेट सुदे सम्बद्धिर सम्बद्धि है। क्रेन रे'यः श्चु यः में र यें यन्ना र्ने श चि: यद्, अर्घा, प्रिंदर, श्रामश्रे, खेना क्री. कुर I रे.ज.व्य.च वार.त्र.चर्चारच्या सर्दे अर्वे विष्र स्थापन विषा क्षे के । रे अअद्य द्वेंब में दिस्य वर्ग द्वेंब। त्य.पर्ट.शर्चा.र्धिर.श्रीपरे.र्डुना.श्री.कुरे। दे.ज.क्ष.ज.क्ट.मूज.चन्ना.द्वेश। परीयु अर्गे प्रियः शामन विगासी के न रे'यात् नु'र्नसर'यस'नस्त्र'वर्मार्निस। चुजालासम्। पित्रास्यक्षाः विनाः श्रीः क्षेत्र। मूरि. शुरा शु. मूट. य तियर श्रीयथ (ब्रेमी श्री. कुरी रे.ज.र्वाट.के.ब्रॉट.च.चर्वार्वोह्य।

लमारा रूट से लिय स्थान क्षेन से के व रे'अ'अम्'अम्'र्रह्मान्न्म्। मिट.त.रूट.मू.र्पिर.सिच.धुना.भु.कुन। रे अम्ट मट रेट्य प्रमार्वेय त्रूर युद्र अम् दिम्स अमिन विमा क्षे के । रे : य : वेंद्र दमा क्ष्या सु : य : य : प्राप्त हो स भूष्रम्म् र्विनःश्राम्यः वृत्ताः भ्रीः कृषा ने त्यानगान हिंद स्वाधान निष्या शु.स्थि.मी.भम्.रिपिर.भावय.धुना.भी.कुरी रेपार्ययाये मेरिये वर्गार्वे हा चित्रित्र.स्रायिम्याध्याप्य. हिनाः श्रीः क्रेया रे'याद्गम्यु'दास्याप्रम्प्रम् र्टर.ची.रटश.पिंतर.शिवर.धेवा.भुे.कुरी रे अ द्वाय र्गार ये विद्यार्गे ।

No. 8.

रे.यश्चांत्रार्थः रे.ला.ची.विर्यः रे.ल्यां क्षेत्रायः लाल्ट्रशा रे.ला.ची.यटः के । व्याचा क्षेत्राच्याः व्याचा क्षेत्रः व्याचा कष्टे व्याचा कष्टे व्याचा कष्टे व्याचा कष्टे व्याचा कष्टे व्याच व्याच

चिंद्राया बेंद्राचे सेन्य । विंद्रा क्षरामानसाम वेंद्र । या के द्याया र्देट स्रायर त्या केंट स्पेर जेर तर्मा। रे क्या ट उटा केंट क्या स्रायर पढणा है बॅरियर्फिर्यरक्षेत्रचेरितर्भेति। रेपियर्पयप्यायेकेर्रियेचेर्स्याय मितिःष्यः अभिन्द्रे विषाणिक्यस्य । मीनः स्वास्त्रे त्यायः अप्यायम्। म्राट.हु.जिट.नर्ष. से.ज.षु.मु.चर्चेच.रेत्ये.कु.रेचीतु.क्र. विंश.चरेट.चीय.खेची. र्भेर्'येर। वमारेमामिष्परायके र्याय रेट्रास्यर या रेट्रा प्रिटायर केर नश्रम है। दे बिमा अ विदे हे श्रॉट नर। कि के देश बिमामी अर्व अ प्राप्त होन। रे उ.स. दें बेना के बंध था बराय लूट क्वा। टे.स. द्वा। स.ल. क्ट्रा लाट इस्रास्ट्रिसाया पर्यात्व । दसायव विवास विवास विवास हिंदा गुरु । हिंदा गुरु टायायव व्यविषा विवा व वे विरोधित हो है अ विदेश या देश हो विदेश। ने बबा सार्वे बाय मान मुबाने विद्याने । याकी न्यायाने वास्त्राम स्थापन व्यायाने त्रमा हुर्मा त्राष्ट्र्य अट.मी.क्रूमाश. २८.क्रैट. शर्ध.क्रूमाश. शट.त्र्र, वट. वश.वर. रेक्षक्षेत्रकुंम। देख्याकार्यायवदादेवर्क्षेत्रकुं। वमारे रेखायमायामार रे.श्रेष.त.जभ.भ.चृट.चर। टे.बैचाचीश.ठच्र्र.श्र्ट। रतजाल.च्रेर.त्.व्. ल्रि.कृषा मिर्नेश्चराश्चरात्रात्र्वाशा

No. 9.

देश्य विमानि द्यां श्री विद्याक्ष स्थाय निर्मान क्ष्य विद्या का स्थाय । का स्थाय विद्या का स्थाय का स्था का स्थाय का

युः कं। दशः व्यान्य क्रां क्षां क्षां निः मान्य विष्य विषयः लिया जालवर्षा हुर्ये, दा २८. लिया हुर्य हुर्य हुर्य अधिय परिश्वित हुर्य हुर्य हुर्ये मी. या इरासिक ब्रिया यहेश क्रिया हेरा पर्या। देर बसाम्रीट समिर मी हेर्ट या खारी विमार्भेर र्द्धर। रेष्य ये अमर य विमार्भय र्द्धर समा विकास से मार्थ साम्री केषाबेरायत्वा। युःस्याधिनानीःस्राटायात्वाराधेनाःस्यान्त्राः वत्वाःकेषाःस्या मारुमात्रायमाञ्चमात्रायनमात्रेयात्रा वाद्यायात्रायमात्रायात्राया केवाया वित्वसम्बद्धाः स्थायायाः क्षेत्रे निवदः याः क्षेत्राया वित्वाया वित्वाया वित्वाया स्थितः केवाया सुर्काष्ट्राहिदीक्षरायादेवास्वर्ष्युप्यवाया सुरावरायायादेवाप्येदाला लिस्त्री। इत्द्रम्यायार्नेम्यूयार्गारायाः बुळेस्त्री। रेख्याः धृनाकायाः स्त्रीता सम्प्रितासम्यात्रात्रम् अत्वाराक्षेत्रात्या देश्यामा त्रमा अत्वाराक्षेत्र वेराता वार्त्र मुयन्तर्भर ये सुर द्वाधाय वस है ये सम्बद्धा है ने र त्नुमा हें ये समाना रे समार र यम् विश्वणी युः स्रामीमा यबद क्षास्य य देस के बेर दिना। ਹੈ. है. शर्मिंट. देट. मुै. कुर. बुर. पर्येग। ਹੈ. है. शर्मिंट. देट. मी. चि. बुर. प्राप्ति । वि. है. शर्मिंट. देट. मी. चि. बुर. युः ङ्गारम् । स्वार्भेर स्वार्थेर स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थेर स्वार्थे यर्वा देश अंतर हेर तर्वा। यो सर ही ही द्वारा वस समित ही या रार हे सदे बरायासर्वसम्पायस्य स्वाप्त स्व इर.शिष्ये, हुन्। भुः कुन्। प्राचिना अधुर्यः सुना ता. मो. रार भुः सूनि मान्यरः १९४७ वेश याचेर के १ वे । दे हुना हेर कर दे। ष्यमु द्यय येश प्रायदिशय। ने दिर्मान के राजा व्याये यो। वने या के नया ने राज्य स्वरान् के राज्ये

रमार्था है 'से प्रिन्डेस है तर्हेश यह । ख सेश अद्या । क अमा मी देरे पु हेना पिर्वरर्दा बरशासुमि खेरी स्रेरे ब्राचर्गर से खेरी सन य कु स्नामि र्वे क्षेत्र क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे केत्र क्षेत्र मीयमें बार्सिक्य के बार्सिक्य में बार्सिक्य के बार्य के बार्सिक्य के बार्सिक्य के बार्य के बार्य के बार्य के बार के बार्य के बार के बार्य के बार्य के बार के ब मिक्तिर्भेरियार स्थित । ये व्यवि विमित्ति ये ये व्यवि विमित्र से विष्य स्थिति । दे स्थिति या से विस् भव। क्षेत्रप्रिन्ति क्षेत्रभव। महोर्द्रिन्तु भव। नुद्रामी क्षेत्रप्रेन लय। रदःद्वासम्भव। अदशःगुः भिःमाः भव। ब्रास्ट्रदे समाया भव। सुनिम्मिम् मार्थि। मार्थिते केमा सुर्थि। देर्द्धारा स्वीत्र सुर्थित चेरादे लास्यानस्यम्। देवसार्यमाने मेर्रिंग्रीनरामास्य हेर्षास्य स्यानस्य मिनः क्षरः स्रापितः है। क्रि.म्रीरः स्राप्तः स्राप्तः म्रीः स्राप्तः मानेतः मेंद्दि पर्वे के प्रेचे के प्रिकाय के द्वाय दें स्माप्त व्याप्त के प्रेचिय के लमायन्त्र श्रेटियन् । श्रेवियाः श्रेटियम् मीन्यमी न्यायः में क्रिट्या स्थितः स्थितः यामञ्जेत । बेर्रे. चित्रे. रेमाश्रास्ट्रांस न्यायायेश तिष्ठेर हे सेर्पायश मिटें स्ट्रा मिश्मिश्मेर हे निर्देश हे स्तर ब्राह्म क्रिंट है। रद्भान्तरः मी विद्यान् स्त्री विद्यान स्त्री शर। चर्णनाःश्राप्तिशः। कुःलरःशःश्राश्रा